

PAGE NO. 6: BOTTOM

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कथक की बारीकियों को जाना

बरेली, अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में आयोजित तीन दिवसीय कथांगिक-कथक कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं गुरु विदुषी ममता महाराज ने प्रतिभागियों को कथक की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया। वह पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज की पुत्री और लखनऊ घराने की प्रतिष्ठित कलाकार हैं। 47 प्रतिभागियों ने भाव, अभिनय, पद-संचालन, ताल, लय, तत्कार और चक्कर का अभ्यास किया। जनसम्मोहिनी तराना और पंडित बिंदादीन महाराज की प्रसिद्ध ठुमरी 'आवत श्याम लचक चले मुकुट धरे' पर भी प्रशिक्षण दिया गया। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। एसआरएमएस रिद्धिमा की एडवाइजर डॉ. रीता शर्मा, कथक गुरु देवज्योति नस्कर, रियाश्री चटर्जी और अंशु कुमार शर्मा, सात्विक मिश्रा, पवन भारद्वाज, सीमा, अमरनाथ आदि मौजूद रहे।

